C-4

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

Unit-1 –

2:- Literacy. Oral and Written Language used in classroom to ensure optimal learning of the subject area.

साक्षरता मौखिक एवं लिखित भाषा का कक्षा में उपयोग कर विषय क्षेत्र की उत्तम आधिगम सुनिश्चित करना।

* साक्षर भाषा ⇒

विद्यालय में अधिगम सामान्यतः पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में विभाजित होता है, जिन्हें पाठो की विषयवस्तु के रूप में समयबद्ध किया ~~सब~~ जाता है।

इस प्रकार भाषा व साक्षरता को सामान्यतः एक अलग विषय के रूप में माना जाता है, जो पाठ्यक्रम अन्य क्षेत्रों से पृथक पढ़ने व लिखने के कौशल पर ध्यान केन्द्रित करता है। लेकिन भाषा व साक्षरता पाठ्यक्रम के सभी विषयों को पढ़ने व पढ़ाने के माध्यम से जुड़े हैं।

जैसे :- जब आप पर्यावरण विज्ञान पढ़ाते हैं तो आप अपने छात्रों को उस विषय से सम्बन्धित संकल्पनाएँ व शब्दावली सीख रहे होते हैं और सीखते समय सुनने बोलने, व पढ़ने व लिखने में शामिल करते हैं।

C·4·

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

* साक्षर भाषा का महत्व :-

साक्षर भाषा विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले सभी विषय सीखने के लिए आवश्यक है। बोल सुनने, बात करने, पढ़ने व लिखने के माध्यम से व विशेष विषयों से सम्बद्ध विशिष्ट शब्दों, वाक्यांशों व विन्यास को समझ कर व उनका उपयोग करके ज्ञान को आत्मसात करते हैं।

उदाहरण के लिए विज्ञान के जिन पाठों में बोल योजना बनाते हैं, अनुमान लगाते, पर्यवेक्षण करते, वर्णित करते, व्याख्या व सारांश बनाते हैं, वह न सिर्फ उनकी विषय की समझ को बढ़ायेगा बल्कि उनकी भाषा व साक्षरता को बढ़ायेगा। विद्यालय के सभी विषय भाषा व साक्षरता के विकास के ऐसे अवसर प्रदान करते हैं। अधिगम के इन सम्पूरक पहलुओं विषय आधारित सामग्री व भाषा और साक्षर सामग्री — को आपस में जोड़ने की क्षमता एक कुशल अध्यापक का गुण होता है।

मौखिक भाषा Oral Language

भाषा का वह रूप जिसमें व्यक्ति अपने विचारों को बोलकर प्रकट करता है

और दूसरा व्यक्ति सुनकर उसे समझता है। मौखिक भाषा कहलाती है।

मौखिक भाषा भावों को व्यक्त करने का मुख्य साधन है। इसके द्वारा बोलकर छोटी-से छोटी और बड़ी-से बड़ी बात दूसरों को बताई जा सकती है। इसके प्रयोग के बिना हम किसी मूक और बधिर व्यक्ति के ही समान है जो बोल-सुन नही सकता। इस भाषा की महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि हर बात लिखकर नही बताई जा सकती।

* मौखिक भाषा का विषय-अधिगम में उपयोगिता-

Utility in learning subject of oral language

मानव के प्रारम्भिक काल में ध्वनि संकेतो का ही प्रयोग किया जाता था। एक तरह से ध्वनि के माध्यम से ही वह अपनी संस्कृति को एक पिढ़ी से दूसरी पिढ़ी को हस्तांतरित करता है। शिक्षा का शुरुआती रूप मौखिक ही था।

(i) मौखिक भाषा छात्र की प्रारंभिक भाषा है:-

छात्र अनुकरण द्वारा मौखिक बात सुनकर बोलना सीखता है। सुनना और बोलना भाषा सीखने के प्रथम दो तरीके हैं।

इसलिए विद्यालय में उन्ही तरीको का अनुसरण होना चाहिए जो प्राकृतिक एवं नैसर्गिक हो।

(ii) विषय को समझने में सरलता :-
भाषा का उद्गम मौखिक रूप में ही हुआ है। मौखिक रूप से विषय को सीखना अधिक सरल होता है। इसके द्वारा शिक्षक, बालको लेक्चर देकर कम समय में अधिक ज्ञान देने का प्रयास करता है। और छात्र भी शिक्षक से कक्षा में वार्तालाप करके अपने विषय के संशय का समाधान करता है।

(iii) मौखिक कार्य द्वारा ही व्यवहार कुशलता आती है :-
दैनिक जीवन में उन्ही व्यक्तियों को सफलता मिलती है जिनको दूसरो की बात सुनने और अपनी बातों को कहने का कौशल आता है। यह कौशल तभी प्राप्त होगा जब विद्यार्थी कक्षा में मौखिक भाषा के द्वारा अपनी भावनाओ को अभिव्यक्त करेगा।

(iv) मौखिक भाषा द्वारा विषयों के भाषण में निपुणता बढ़ायी जा सकती है।
जिन छात्रों का उच्चारण शुद्ध है जिनमें

> Date

अपने विचारों को स्पष्ट प्रकट करने की क्षमता है और बोलते समय जिनमें संकोच और आत्म हीनता की भावना पैदा नहीं होती है वे बाल आगे चलकर निपुण वक्ता बन जाते हैं। भाषण में निपुणता लाने के लिए बोलने के कौशलों का विकास भाषा शिक्षक को करना चाहिए।

(v) मौखिक भाषा द्वारा ही प्रायः विचारों की अभिव्यक्ति होती है।

मौखिक भाषा में ही बाल और सभी व्यक्ति अपने विचारों की अभिव्यक्ति करते हैं इसलिए इस भाषा द्वारा मौखिक कार्य सुनने तथा बोलने के कौशलों के विकास पर विशेष बल देना चाहिए।

(vi) शिक्षक द्वारा किया गया मौखिक कार्य बालों में रुचि जागृत करती है - शिक्षक मौखिक भाषा में बालों से प्रश्न पूछता है और जैसे-२ प्रश्नोत्तर की क्रिया अग्रसर होती है कक्षा कार्य वैसे-२ अधिक रोचक और प्रभावपूर्ण होता जाता है।

(vii) मौखिक भाषा द्वारा बालों में भाव प्रदर्शन और प्रभावशाली ढंग से बोलने की क्षमता का विकास करना -

Scanned with CamScanner

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

(viii) मौखिक भाषा द्वारा समाज के अन्य सदस्यों ~~के साथ~~ से सम्बन्ध स्थापित करना — इस प्रकार की भाषा का उपयोग अध्यापक को शिक्षण-अधिगम के दौरान करना चाहिए - साथ ही साथ P.T.M. के समय भी शिक्षक, छात्र, गार्जियन को सामाजिक सम्बन्ध स्थापित करने के लिए भी मौखिक भाषा का उपयोग करना चाहिए।

(ix) व्यक्तित्व के विकास के लिए मौखिक भाषा अत्यन्त आवश्यक है —

राय बर्न का कथन है कि — भाषा शिक्षक का प्रारम्भिक कार्य भी संकलित विचार को संकलित करना है व्यक्तित्व के विकास के लिए सरल स्पष्ट और प्रभावशाली मौखिक अभिव्यक्ति आवश्यक है।

(x) शिक्षक द्वारा किया गया मौखिक कार्य छात्रों के अवधान को पाठ से लगाये रखता है —

अध्यापक द्वारा पूछे गये प्रश्न छात्रों को सक्रिय और सचेत बनाये रखते हैं,

Scanned with CamScanner